Semester-2 By- Dr. Shyam Bihari Chaudhary | Page (1)

Paper - V (Teacher Education) Date 23.04.20

Topic - Teacher Education and Communication

आधुनिक वर्ग मे वे साधन आते है जिनका निर्माण आधुनिकी तकनीकी एवं कौशल पर आधारित है तथा जिनका उपयोग आधुनिक समय मे उपयोग किया जाता है। दूरदर्शन इसका एक अच्छा उदाहरण है। चलचित्र, संगणकीय इण्टरनेट सेवा, बन्द परिपथ दूरदर्शन ccIose cereuit television (क्लोज सर्किट) आदि अन्य सम्प्रेषण के माध्यम हैं जो श्रव्य अथवा दृश्य दोनों ही वर्गो से सम्बन्धित साधन हैं। अतः यह साधन अधिक सार्थक रूप से प्रभावकारी होते हैं और इनके प्रयोग से सम्प्रेषण अन्तराल का संकोचन करना सम्भव हो पाता है। सूचनाओं का सम्प्रेषण जितना उद्देश्यपूर्ण ढंग से और अधिकाधिक स्पष्टता और बोधगम्यता के साथ किया जायेगा, सम्प्रेषण सम्बन्धी अन्तराल उतना ही कम होगा। सम्प्रेषण अन्तराल वह अन्तराल (Period) या व्यवधान होता है जिसके कारण सूचनाओं को सही और ठीक ढंग से एक से अन्य व्यक्ति या समूह तक पहुँच पाना कठिन हो जाता है। फलतः सूचनाओं के पुनर्संग्रहण मे विकृतियाँ उत्पन्न होती हैं। अध्यापक शिक्षा के अन्तर्गत शिक्षण प्रक्रिया मे सम्प्रेषण अन्तराल जितना कम होगा, छात्र-छात्राओं के अवबोध मे उतनी ही अधिक वृद्धि की सम्भावना होगी। अतः सम्प्रेषण अन्तराल को न्यूनतम स्तर पर ले जाना प्रत्येक कुशल और प्रभावकारी अध्यापक / अध्यापिका के लिए प्रथम प्रयत्न होता है। यही कारण है कि सम्प्रेषण अन्तराल को कम करने मे दक्षतार्जन करना एक आवश्यक तत्व

Scanned with CamScanner